



Mr

05 Jan 2026

06:04 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120858803

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 05/01/2026
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 18:04:00 घंटे
इष्ट _____: 27:02:21 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 17:42:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:18 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:43:21 घंटे
सूर्योदय _____: 07:15:03 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:38:13 घंटे
दिनमान _____: 10:23:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 20:57:20 धनु
लग्न के अंश _____: 27:25:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: आश्लेषा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: वणिज
गण _____: राक्षस
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

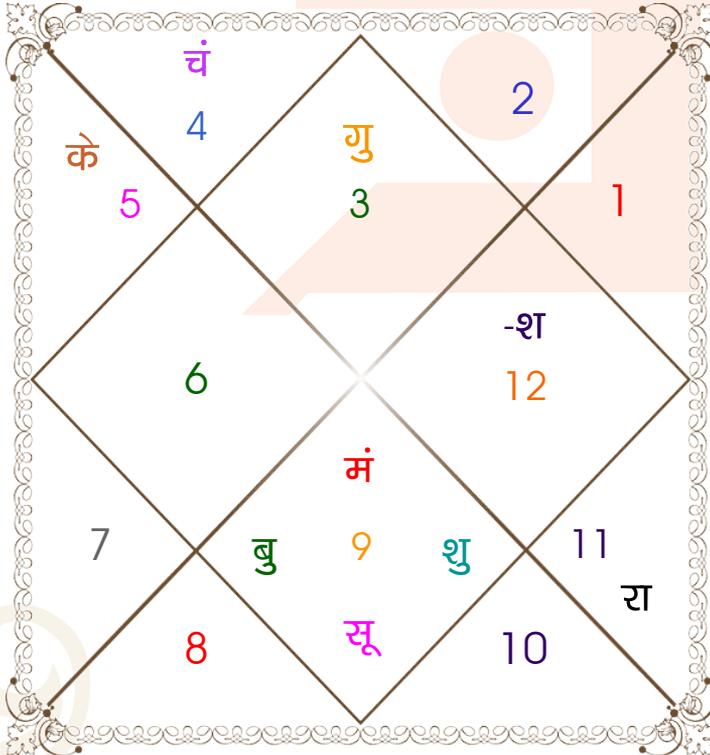
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---------|---|---|------|----------|-----------|----------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न | | | मिथु | 27:25:35 | 309:44:55 | पुनर्वसु | 3 | 7 | बुध | गुरु | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | धनु | 20:57:20 | 01:01:08 | पूर्वाषाढा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कर्क | 19:24:44 | 14:06:58 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | स्वराशि |
| मंगल | अ | | धनु | 21:56:23 | 00:46:09 | पूर्वाषाढा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | मित्र राशि |
| बुध | अ | | धनु | 11:23:27 | 01:33:09 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | शनि | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 26:32:13 | 00:08:02 | पुनर्वसु | 2 | 7 | बुध | गुरु | केतु | शत्रु राशि |
| शुक्र | अ | | धनु | 20:40:34 | 01:15:29 | पूर्वाषाढा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | सम राशि |
| शनि | | | मीन | 02:13:28 | 00:03:54 | पूर्वाभाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 16:07:20 | 00:04:15 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 16:07:20 | 00:04:15 | पूर्वाफाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | सूर्य | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 03:36:36 | 00:01:28 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 05:20:47 | 00:00:54 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | --- |
| प्लूटो | | | मक | 08:38:04 | 00:01:51 | उत्तराषाढा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 17:33:50 | -- | रेवती | -- | 27 | गुरु | बुध | बुध | -- |

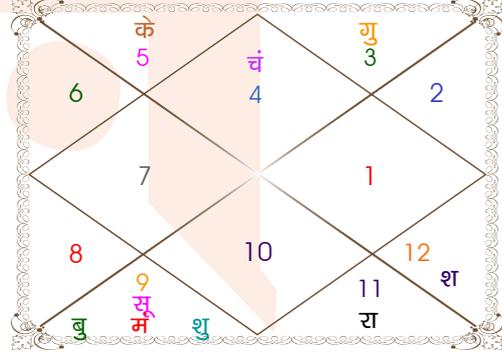
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

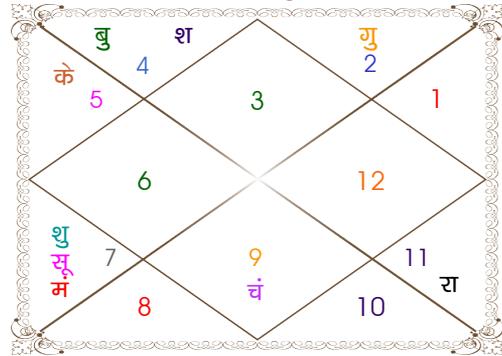
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 5 मास 30 दिन

| बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष |
|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|
| 05/01/2026 07/07/2039 | 07/07/2039 07/07/2046 | 07/07/2046 07/07/2066 | 07/07/2066 06/07/2072 | 06/07/2072 07/07/2082 |
| 00/00/0000 | केतु 03/12/2039 | शुक्र 05/11/2049 | सूर्य 24/10/2066 | चंद्र 07/05/2073 |
| 05/01/2026 | शुक्र 01/02/2041 | सूर्य 05/11/2050 | चंद्र 25/04/2067 | मंगल 06/12/2073 |
| शुक्र 29/09/2028 | सूर्य 09/06/2041 | चंद्र 06/07/2052 | मंगल 31/08/2067 | राहु 06/06/2075 |
| सूर्य 06/08/2029 | चंद्र 08/01/2042 | मंगल 05/09/2053 | राहु 24/07/2068 | गुरु 05/10/2076 |
| चंद्र 05/01/2031 | मंगल 06/06/2042 | राहु 05/09/2056 | गुरु 13/05/2069 | शनि 07/05/2078 |
| मंगल 02/01/2032 | राहु 25/06/2043 | गुरु 07/05/2059 | शनि 25/04/2070 | बुध 06/10/2079 |
| राहु 22/07/2034 | गुरु 31/05/2044 | शनि 07/07/2062 | बुध 01/03/2071 | केतु 06/05/2080 |
| गुरु 27/10/2036 | शनि 09/07/2045 | बुध 07/05/2065 | केतु 07/07/2071 | शुक्र 05/01/2082 |
| शनि 07/07/2039 | बुध 07/07/2046 | केतु 07/07/2066 | शुक्र 06/07/2072 | सूर्य 07/07/2082 |

| मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष |
|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|
| 07/07/2082 06/07/2089 | 06/07/2089 08/07/2107 | 08/07/2107 08/07/2123 | 08/07/2123 08/07/2142 | 08/07/2142 00/00/0000 |
| मंगल 03/12/2082 | राहु 19/03/2092 | गुरु 25/08/2109 | शनि 11/07/2126 | बुध 03/12/2144 |
| राहु 21/12/2083 | गुरु 12/08/2094 | शनि 07/03/2112 | बुध 20/03/2129 | केतु 30/11/2145 |
| गुरु 26/11/2084 | शनि 18/06/2097 | बुध 13/06/2114 | केतु 29/04/2130 | शुक्र 06/01/2146 |
| शनि 05/01/2086 | बुध 06/01/2100 | केतु 20/05/2115 | शुक्र 28/06/2133 | 00/00/0000 |
| बुध 02/01/2087 | केतु 24/01/2101 | शुक्र 18/01/2118 | सूर्य 10/06/2134 | 00/00/0000 |
| केतु 31/05/2087 | शुक्र 25/01/2104 | सूर्य 06/11/2118 | चंद्र 10/01/2136 | 00/00/0000 |
| शुक्र 30/07/2088 | सूर्य 18/12/2104 | चंद्र 07/03/2120 | मंगल 17/02/2137 | 00/00/0000 |
| सूर्य 05/12/2088 | चंद्र 19/06/2106 | मंगल 11/02/2121 | राहु 25/12/2139 | 00/00/0000 |
| चंद्र 06/07/2089 | मंगल 08/07/2107 | राहु 08/07/2123 | गुरु 08/07/2142 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोत्तम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते हैं। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है तथापि कोई संदेह नहीं कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशल बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत्त हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्बाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करें।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नहीं चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासनात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैंगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।